leases accepted by the Rajasthan Government under forest area after the enforcement of Forest (Conservation) Act, 1980;

(b) whether it is a fact that all the mines leases in forest areas under operation today are in contravention of Forest (Conservation) Act, 1980;

(c) whether it is also a fact that operation in the mines under forest areas of Rajasthan is being conducted with the connivance of the forest authorities; and

(d) what is the total number of such mines which are under operation illegally in the Forest areas the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF ENVIRONMENT AND FORESTS (SHRI KAMAL NATH): (a) to (d) The information is being collected and will be laid on the Table of the House.

Conversion of Kandla—Bhatinda Railway line

*196. SHRI ANANTRAY DEVSHANKER DAVE: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state the time by when the work of conversion of Kandla—Bhatinda narrow gauge railway-line into broad-gauge line would be completed?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI K.C. LENKA): Conversion of existing M.G. lines so as to provide a B.G. link between Kandla and Bhatinda via Jodhpur and Bikaner is planned for completion by 31-3-1996.

उत्तर प्रदेश में नयी रेल लाइनें बिछाने के बारे में सर्वेक्षण

*197. **श्रीमती सत्या बाहिनः** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) उत्तर प्रदेश में किन-किन क्षेत्रों में नयी रेल लाइनें बिछाने हेतु सर्वेक्षण किया गया है;

(ख) क्या नयी रेल लाइनें बिछाने के लिए क्षेत्रों / स्थानों का चयन करने के लिए कोई दिशा निर्देश बनाए गए हैं, यदि हां, तो इसका ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या यह सच है कि मुख्य रेल लाइन को अलीगढ़ से एटा, मैनपुरी होकर कानपुर तक जोड़े जाने की मांग की गयी है ताकि उत्तर प्रदेश में एटा जैसे पिछड़े जिले के आर्थिक विकास में तेजी लायी जा सके; और

(घ) यदि हां, तो इस मामले में क्या कार्यवाही की गयी है?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री के० सी० लेंकाः): (क) उत्तर प्रदेश में किए गए सर्वेक्षणों का ब्यौरा नीचे दिया गया है:—

क्रम सं०	परियोजना का नाम	वर्ष	लम्बाई (कि०मी०)	लागत* (करोड़ रुपयों में)	प्रतिफल की दर
1	2	3	4	5	6
1	शाहगंज-सुल्तानपुर, अमेठी—गढ़ी मानिकपुर (ब०लाइ०)	1983	179.00	31.91	अलाभप्रद
2	मिर्जापुर-भदोही (ब०लाइ०)	1985	38.00	25.75	"
3	अमेठी-सुल्तानपुर (ब०लाइ०)	1982	37.00	9.54	"
4	धामपुर-सफ़दलगढ़-कालागढ़ तथा अफजलगढ़— कमलापुर (ब०लाइ०)	1987	77.00	54.96	"
5	धामपुर-अफजलगढ़-कालागढ़ तथा अफजलगढ़-— अलीगंज (ब०लाइ०)	1987	80.00	56.64	"
6	माधोगंज-औहद (संदी) पुनः स्थापन	1988	27.00	11.58	0.68%

7	खुर्जा-पलवल-रेवाड़ी-रोहतक (ब०ला०) (1) खुर्जा-पलवल (इकहरी लाइन) (2) पलवल-रेवाड़ी-रोहतक (दोहरी लाइन)	1989	210.00	384.85	अलाभप्रद
8	पुनःस्थापनः नौतनवा-सोनौली	1978	7.50	.60	"
9	मऊ-शाहगंज	1980	99.00	9.82	2.74%
10	बरेली-काठगोदाम	1984	106.00	22.74	7.2%
11	गोरखपुर-आनन्द नगर समानान्तर ब०ला० तथा आनंद नगर-नौतनवा आमान परिवर्तन तथा ब०ला० का सोनौली तक विस्तार	1986	88.00	69.00	6.9%
12	फेफना-इंदरा (आमान परिवर्तन)	1991	51.00	19.62	0.22%
13	सोनौली-भैरहवा	1991	3.48	4.38	13.95%
14	कानपुर-बदायूं (ब०ला०)	1989	113.00	62.76	अलाभप्रद
चल रहे सर्वेक्षण कार्यः					
1	हस्तिनापुर के रास्ते दौराला-बिजनौर		67.00		
2	रामनगर-चौखुटिया		149.00		
3	खुर्जा-पलवल-रेवाड़ी-रोहतक के बीच बाई-पास लाइन के लिए अपग्रेडिंग का काम		210.00		
4	आगरा-इटावा		135.00		

*परिव्ययन की लागत सर्वेक्षण के वर्ष के मूल्यों पर आधारित है।

(ख) मई 1980 में प्रस्तुत की गई रिपोर्ट में, राष्ट्रीय परिवहन नीति समिति ने नई लाइन परियोजनाओं के लिए निम्नलिखित मापदण्डों की सिफारिश की थीः—

(1) नए उद्योगों को सेवित करने अथवा खनिज या अन्य संसाधनों का पता लगाने के लिए अपेक्षित परियोजना-उन्मुख लाइनें।

(2) ऐसे लुप्त सम्पर्क के रूप में सेवित करने के लिए, जिससे मौजूदा व्यस्त मार्ग पर भीड़-भाड़ कम करने के लिए वैकल्पिक मार्ग बन सकते हैं।

(3) सामरिक आधार पर।

(4) विकास के नए केन्द्र स्थापित करने अथवा दूरस्त क्षेत्रों तक पहुंचने के लिए विकासात्मक लाइनें।

(ग) जी, हां।

(घ) एटा और अलीगढ़ के लिए नए संपर्कों सहित, कानपुर से कासगंज तक के आमान परिवर्तन के लिए सर्वेक्षण कार्य शुरू किया गया है।

पेट्रोलियम उत्पादों की कुल आवश्यकता

*198. **श्री चिमनभाई हरिभाई शुक्लः** क्या पैट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) वर्ष 1991-92, 1992-93 के दौरान तथा 1993-94 में अभी तक देश में पेट्रोलियम उत्पादों का कुल कितना उत्पादन हुआ है;

(ख) देश में इस समय पेट्रोलियम उत्पादों की कुल कितनी आवश्यकता है;

(ग) पेट्रोलियम उत्पादों के संबंध में आत्म-निर्भरता प्राप्त करने के लिए उठाये जाने वाले कदमों का ब्यौरा क्या है;

(घ) वर्ष 1992-93 के दौरान कच्चे तेल तथा पेट्रोलियम उत्पादों के आयात पर कितनी विदेशी मुद्रा खर्च की गई है, तथा 1993-94 और 1994-95 के वर्षों में कितनी विदेशी मुद्रा खर्च किए जाने की सम्भावना है; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के राज्य मंत्री (कैप्टन सतीश शर्मा): (क) देश में 1991-92, 1992-93 और 1993-94 (अप्रैल—सितम्बर) वर्षों के दौरान पैट्रोलियम उत्पादों का